हर हर नर्मदे | By Surmayee Ramkishor Ragi |

हर हर नर्मदे हर हर नर्मदे
हर हर नर्मदे हर हर नर्मदे

बस इसमें ही उद्धार है
हर हर नर्मदे हर हर नर्मदे

माँ नर्मदा में नहा ली
पाप सब धुल जाएंगे
मातृ दर्शन से तेरी सब
कष्ट भी टल जाएंगे
चल चला चल चल रे बंदे
बहती निर्मल धार है
हर हर नर्मदे हर हर नर्मदे

मात रेवा में नहाके
पापी कितने तर गए
माँ नर्मदा की कृपा से
नाम जग में कर गए
कई युगों से नाम माँ का
भज रहा संसार है
हर हर नर्मदे हर हर नर्मदे

योगी तपस्वी संत ज्ञानी
बैठे माँ के तट पे हैं
अन्न जल सब त्याग करके
रमते माँ के तट पे हैं
रागी आया तट पे तेरे
दर्शन की आस है
हर हर नर्मदे हर हर नर्मदे

बस इसमें ही उद्धार है
हर हर नर्मदे हर हर नर्मदे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a4%b0-%e0%a4%a8%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%a6%e0%a5%87-by-surmayee-ramkishor-ragi/